भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1062

24 जुलाई, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

कर्नाटक में आयुष प्रणालियों को बढ़ावा देना

1062. श्री गोविन्द मकथप्पा कारजोल:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कर्नाटक राज्य में आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी सहित आयुष चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) राज्य में कार्यरत आयुष अस्पतालों, औषधालयों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (आयुष वेलनेस सेंटरों) और आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों का जिला-वार ब्यौरा क्या है तथा पिछले पांच वर्षों के दौरान स्थापित किए गए केंद्रों की संख्या कितनी है;

(ग) पिछले पांच वर्षों के दौरान उक्त राज्य में आयुष मंत्रालय की विभिन्न परियोजनाओं और कार्यक्रमों के लिए आवंटित, जारी और उपयोग की गई धनराशि का परियोजना-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) राज्य में आयुष पद्धति के अंतर्गत कार्यरत मेडिकल कॉलेजों, अनुसंधान संस्थानों और शैक्षणिक संस्थानों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा डॉक्टरों की भर्ती, दवाओं की उपलब्धता और नैदानिक सुविधाओं सहित कर्नाटक के ग्रामीण और आकांक्षी जिलों में आयुष सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): आयुष मंत्रालय देश भर में आयुष पद्धतियों के समग्र विकास और संवर्धन के लिए कर्नाटक सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से एनएएम की केन्द्रीय प्रायोजित योजना कार्यान्वित कर रहा है। एनएएम के अंतर्गत, आयुष मंत्रालय उनके द्वारा प्रस्तुत राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के अनुरूप एनएएम दिशानिर्देशों के प्रावधान के अनुसार विभिन्न कार्यकलापों के अंतर्गत उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। मिशन में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित कार्यकलापों के लिए प्रावधान किया गया है-

I. आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों का संचालन मौजूदा आयुष औषधालयों और उप स्वास्थ्य केंद्रों को अपग्रेड करके जिसे आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) के रूप में नामित किया गया है।

II. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं का सह-स्थापन।

III. मौजूदा एकल सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन।

IV. मौजूदा सरकारी/पंचायत/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष औषधालयों का उन्नयन/मौजूदा आयुष औषधालय (किराए पर/जीर्ण-शीर्ण आवास) के लिए भवन का निर्माण/उस क्षेत्र में नई आयुष औषधालय स्थापित करने के लिए भवन का निर्माण जहां कोई आयुष सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं।

V. 10/30/50 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना।

VI. सरकारी आयुष अस्पतालों, सरकारी औषधालयों और सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थागत आयुष अस्पतालों को आवश्यक दवाओं की आपूर्ति।

VII. आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम।

VIII. उन राज्यों में नए आयुष कॉलेजों की स्थापना जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है।

IX. आयुष स्नातक संस्थानों और आयुष स्नातकोत्तर संस्थानों का ढांचागत विकास/स्नातकोत्तर/फार्मेसी/पैरा-मेडिकल पाठ्यक्रमों को जोड़ना।

राज्य से एसएएपी के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर, कर्नाटक में एनएएम के अंतर्गत, सहायता प्राप्त प्रमुख कार्यकलापों का ब्यौरा **संलग्नक-I** पर दिया गया है।

(ख): राज्य द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, कर्नाटक राज्य में 170 आयुष अस्पताल और 726 आयुष औषधालयों सहित 896 सरकारी आयुष स्वास्थ्य सुविधाएं कार्य कर रही हैं। इन 726 आयुष औषधालयों में से, 376 आयुष औषधालयों को राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की आयुष्मान भारत योजना के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (आयुष) के रूप में उन्नत किया गया है। कर्नाटक में अनुमोदित एएएम (आयुष) की जिला-वार और वर्ष-वार संख्या **संलग्नक-II** पर दी गई है।

(ग): एसएएपी के माध्यम से प्रस्तुत प्रस्तावों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों के दौरान कर्नाटक राज्य में आयुष मंत्रालय द्वारा विभिन्न आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों सहित एनएएम योजना के कार्यान्वयन के लिए अनुमोदित, जारी की गई और उपयोग की गई धनराशि का वर्ष-वार ब्यौरा **संलग्नक-III** पर दिया गया है।

(घ): राज्य द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, कर्नाटक राज्य में 140 आयुष मेडिकल कॉलेज कार्य कर रहे हैं जिनमें 07 सरकारी, 02 सहायता प्राप्त और 131 निजी आयुष मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। कर्नाटक सरकार के आयुष विभाग के तहत मैसूर में एक आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र कार्यशील है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान (एनआईयूएम), बेंगलुरू, जो आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय है, कार्य कर रहा है। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अंतर्गत कर्नाटक में निम्नलिखित अनुसंधान संस्थान कार्य कर रहे हैं:

1. केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई), बेंगलुरु।
2. केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (सीआरआईवाईएन), नागमंगला, कर्नाटक।
3. सिद्ध नैदानिक अनुसंधान इकाई (एससीआरयू), बेंगलुरू।

(ङ): राज्य द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, कर्नाटक के ग्रामीण और आकांक्षी जिलों में आयुष सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए सरकार द्वारा निम्नलिखित उपाय किए गए हैं-

- राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के तहत आयुष अस्पतालों और औषधालयों का सुदृढ़ीकरण।
- आयुष स्वास्थ्य सुविधाओं का आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (आयुष) में उन्नयन।
- स्वास्थ्य सुविधाओं को आवश्यक आयुष दवाओं की नियमित आपूर्ति।
- अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण और आवश्यक उपकरणों का प्रावधान।

- आयुष कर्मियों का क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण।
- आयुष स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य आउटरीच शिविरों का आयोजन।
- राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत जहां कहीं भी अनुमोदित किया गया हो, नैदानिक सुविधाओं का प्रावधान।
- स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना पद्धति (एचएमआईएस) के माध्यम से आयुष सेवाओं की निगरानी और राज्य सरकार द्वारा आवधिक समीक्षा।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों जैसे आयुर्विद्या, चयापचय रोग प्रबंधन (एमएसडी), और वयोमित्र का कार्यान्वयन।

*****

संलग्नक-I

कर्नाटक राज्य में वर्ष 2014-15 से 2025-26 के दौरान राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के अंतर्गत समर्थित प्रमुख गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

(i) एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना के लिए 3 इकाइयों को सहायता प्रदान की गई।
(ii) अवसंरचना और अन्य सुविधाओं के उन्नयन के लिए 43 आयुष अस्पतालों और 98 आयुष औषधालयों को सहायता प्रदान की गई है।
(iii) सह-स्थापना के अंतर्गत, 65 पीएचसी, 79 सीएचसी और 105 डीएच को दवाइयों की आवर्ती सहायता प्रदान की गई है।
(iv) प्रत्येक वर्ष औसतन आवश्यक आयुष दवाओं की आपूर्ति के लिए 96 आयुष अस्पतालों और 351 आयुष औषधालयों को सहायता प्रदान की गई है।
(v) नए आयुष शैक्षिक संस्थाओं की स्थापना के लिए 2 इकाइयों को सहायता प्रदान की गई।
(vi) अवसंरचना, पुस्तकालय और अन्य चीजों के उन्नयन के लिए 5 स्नातक और 2 स्नातकोत्तर आयुष शैक्षिक संस्थानों को सहायता प्रदान की गई है।
(vii) 50 आयुष ग्रामों को सहायता प्रदान की गई है।
(ix) 376 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को मौजूदा आयुष औषधालयों से उन्नयन के लिए सहायता प्रदान की गई है।

संलग्नक-II

कर्नाटक में स्वीकृत एएएम (आयुष) की जिला-वार और वर्ष-वार संख्या

क्र.सं.	जिले का नाम	आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) उन्नत				
		2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	कुल
1	बागलकोट	3	-	3	1	7
2	बल्लारी	2	-	1	18	21
3	बेलगावी	3	-	5	8	16
4	बेंगलुरु ग्रामीण	4	-	3	1	8
5	बेंगलुरू दक्षिण	4	-	1	1	6
6	बेंगलुरु शहरी	4	-	1	-	5
7	बीदर	3	-	3	9	15
8	चामराजनगर	3	-	2	3	8
9	चिकबलपुर	3	-	-	-	3
10	चिक्कामगलुरु	3	-	2	27	32
11	चित्रदुर्ग	3	-	3	4	10
12	दक्षिण कन्नड़	3	3	1	-	7
13	दावनगेरे	3	-	3	18	24
14	धारवाड़	3	-	2	4	9
15	गडग	8	-	5	7	20
16	हसन	3	-	3	29	35
17	हावेरी	3	3	3	3	12
18	कलबुर्गी	3	-	2	3	8
19	कोडागू	3	-	3	1	7
20	कोलार	3	-	1	-	4
21	कोप्पल	3	-	1	2	6
22	मंड्या	3	-	2	11	16
23	मैसूर	3	-	3	14	20
24	रायचूर	3	-	1	3	7
25	शिवमोगा	3	-	-	2	5
26	तुमकुरु	6	-	1	-	7
27	उडुपी	3	-	2	-	5
28	उतरा कन्नड़	3	-	0	8	11
29	विजयनगर	1	-	6	23	30
30	विजयपुरा	3	-	2	-	5
31	यादगीर	2	-	5	-	7
	कुल	**100**	**6**	**70**	**200**	**376**

संलग्नक-III

पिछले पांच वर्षों के दौरान, राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के तहत, स्वीकृत और जारी धनराशि का वर्ष-वार विवरण

क्र.सं.	**वर्ष**	**आवंटित/जारी की गई धनराशि**	**उपयोग की गई धनराशि (लाख रुपये में)**
1	2021-22	1821.46	1821.46
2	2022-23	1714.09	1714.09
3	2023-24	5031.54	5031.54
4	2024-25	6067.28	6067.28
5	2025-26	2422.583	2422.58
	कुल	**17056.953**	**17056.95**